Seventeenth Loksabha

>

Title: Regarding languishing of Indian fishermen and their boats in Pakistan.

श्री लालूभाई बी. पटेल (दमन और दीव): अध्यक्ष महोदय, आज आपने मुझे अपने संसदीय क्षेत्र दादरा-नगर हवेली और दमन-दीव की ओर से एक महत्वपूर्ण मुद्दे पर जीरो ऑवर में बोलने का मौका दिया है, इसके लिए मैं आपका धन्यवाद करता हूं। मैं आपके माध्यम से विदेश मंत्री जी का ध्यान इस ओर आकर्षित करना चाहता हूं कि अपने देश के कई मछुआरे पाकिस्तान की जेल में कैद हैं। इस मुद्दे पर आगे जाने से पहले मैं माननीय प्रधान मंत्री, श्री नरेन्द्र भाई मोदी जी और स्वर्गवासी श्रीमती सुषमा स्वराज जी का धन्यवाद करना चाहता हूं कि उनके कार्यकाल के दौरान और उनकी मेहनत से बहुत सारे मछुआरे छूट कर आए थे । आज की तारीख में 270 मछुआरे और लगभग 12 सौ बोट्स पाकिस्तान के कब्जे में हैं। जो गुजरात, महाराष्ट्र और दमन-दीव की हैं। कई मछुआरे एक साल होने से पहले छूट जाते थे, लेकिन इस समय ज्यादा समय लगा । इसलिए मैं आपके माध्यम से विदेश मंत्री जी से निवेदन करता हूं कि वे पाकिस्तान के विदेश मंत्री के समक्ष अपनी बात रखें और उन मछुआरों और उनकी बोट्स को छुड़ाने की प्रक्रिया शुरू करें । उन मछुआरों की फैमिलीज काफी समय से परेशान है। वहां के हालात के बारे में उनको सूचना नहीं मिलती है। उन कैदी मछुआरों को पत्र लिखना भी मना है, इस कारण उनकी फैमिलीज बहुत परेशान हैं। मैं माननीय प्रधान मंत्री जी को एक बार फिर से धन्यवाद करता हूं और विदेश मंत्री जी से निवेदन करता हूं कि इसका निवारण हो, ताकि घरवाले राहत की सांस लें। अभी मैं आपका भी बहुत धन्यवाद करता हूं ।